भारत सरकार **राज्य सभा**
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **तारांकित प्रश्न सं. *85**
वाणिज्य विभाग

दिनांक 6 फरवरी 2026 को उत्तर दिये जाने के लिए

कोडेक्स मानकों को अपनाया जाना और इसका निर्यात पर प्रभाव

***85 श्री सुभाष बराला:**

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कोडेक्स मानकों को अपनाने के बाद वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में हल्दी, इलायची और धनिया जैसे प्रमुख मसालों के निर्यात में कितने प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई;

(ख) कोडेक्स मानकों का अनुपालन करने से लाभ प्राप्त करने वाले किसानों और सहकारी समूहों की संख्या कितनी है और उनकी आय में कितनी अनुमानित वृद्धि हुई है;

(ग) कोडेक्स मानकों का अनुपालन किये जाने के परिणामस्वरूप वर्ष 2025 में भारतीय मसाला निर्यातक कितने नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों या खरीददारों तक पहुंच बना सके; और

(घ) क्या वैश्विक गुणवत्ता मानकों के अनुपालन के परिणामस्वरूप वर्ष 2025 में अस्वीकृत या लौटाए गए मसालों के पोत-लदान में कोई मापनीय कमी दर्ज की गई है?

उत्तर
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री
(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (घ): **एक विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।**

****

"कोडेक्स मानकों को अपनाया जाना और इसका निर्यात पर प्रभाव" के संबंध में दिनांक 6 फरवरी, 2026 को उत्तर के लिए नियत राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या *85 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित विवरण।

(क) से (घ). वर्ष 2024-25 में भारत से हल्दी, इलायची और धनिया का कुल निर्यात 628.05 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जो वर्ष 2023-24 में इन तीनों मसालों के 479.75 मिलियन अमेरिकी डॉलर के निर्यात की तुलना में 30.92% की वृद्धि दर्शाता है।

मसालों और पाक जड़ी-बूटियों पर कोडेक्स समिति गुणवत्ता मानकों के विकास पर काम करती है, जिसमें संरचनात्मक विशेषताएं और आंतरिक गुणवत्ता निर्धारित करने वाले कारक शामिल हैं। इन मानकों का लाभ यह है कि ये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत संदर्भ मानदंड प्रदान करते हैं, जो वैश्विक बाजारों में भारतीय उत्पादों की स्वीकार्यता को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। हालांकि, निर्यात मात्रा या किसानों की आय विभिन्न कारकों से प्रभावित होती है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ वैश्विक मांग, आपूर्ति और मूल्य रुझान, गुणवत्ता में सुधार और विभिन्न घरेलू और अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों का अनुपालन शामिल हैं।

वर्ष 2024-25 के दौरान, भारत ने विश्व स्तर पर 180 देशों को मसाले और मसाला उत्पाद निर्यात किए। वर्ष 2023-24 और वर्ष 2024-25 दोनों वर्षों के दौरान, भारत से निर्यात किए गए मसालों और मसाला उत्पादों की 99.8% से अधिक खेप को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में स्वीकार किया गया।

******